http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 153

प्रयागराज मंगलवार 18 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

विकास पहलों ने पूरे भारत में आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है: राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। 250 नए एकलव्य स्कूल निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि लाखों आदिवासी छात्र छात्रावास सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि देश में जारी विकास पहलों ने आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। 'आदि महोत्सव, 2025' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। मुर्मू ने कहा, ''हमारे देश का वास्तविक विकास तभी होगा जब हमारे आदिवासी समुदाय आगे बढ़ेंगे।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास पहलों ने अरुणाचल प्रदेश से लेकर गुजरात और जम्मू–कश्मीर से लेकर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक के आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, ''इन प्रयासों ने न केवल आदिवासी परिवारों को अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि उनकी संस्कृति और योगदान के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है।'' राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन प्रयासों का मूल है, जिससे आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। मुर्मू ने यह भी कहा कि शिक्षा के अवसरों को और बढ़ाने के लिए लगभग 250 नए एकलव्य स्कूल निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि लाखों आदिवासी छात्र छात्रावास सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। मुर्मू ने कहा, ''शिक्षा किसी भी समाज के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह बहुत संतोष की बात है कि 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) देश भर में 1.25 लाख आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।''

दिल्ली में भूकंप के झटकों के बाद पीएम मोदी की लोगों से अपील

सभी धैर्य बरतें और सतर्क रहें

● दिल्ली–एनसीआर में 4.0 तीव्रता का भूकंप, तेज झटके से दहशत में लोग, नई दिल्ली रहा केंद्र

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, श्दिल्ली और आस–पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने, धैर्य बरतने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की अपील की जाती है। इसके साथ ही संभावित झटकों के प्रति भी सतर्क रहने की जरूरत है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।श दिल्ली–एनसीआर के कई हिस्सों में सोमवार सुबह 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि सोमवार को सुबह पांच बजकर 36 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके इतने तेज थे कि डरे सहमे लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। कई लोग गहरी नींद से जाग गए। हालांकि, अब तक इससे किसी तरह के नुकसान या किसी के घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने श्एक्सश पर एक पोस्ट में बतायाकि भूकंप का केंद्र नई दिल्ली में था और सुबह 5रू36 बजे यह पांच किलोमीटर की गहराई में आया। एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि भूकंप का केंद्र धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, श्दिल्ली और आस–पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की अपील की जाती है। इसके साथ ही संभावित झटकों के प्रति भी सतर्क रहने की जरूरत है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।श दिल्ली पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर लोगों से सुरक्षित रहने का अनुरोध किया। दिल्ली पुलिस ने कहा, श्हमें उम्मीद है कि आप सभी सुरक्षित हैं, दिल्ली!श पुलिस ने लोगों से आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल करने का भी आग्रह किया। भूकंप के तेज झटकों के कारण दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।धरती में जबरदस्त कंपन दहशत में आकर लोग घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के झटके इतनी तेज थे कि घरों से बर्तन नीचे गिरने लगे और घरों में जबरदस्त कंपन हुआ। दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने भूकंप के झटकों के बाद अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सलामती की कामना की।

पंडित प्रेम की अनुपम प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया

महाकुंभ नगर। स्पिक मैके और एचसीएल कॉन्सर्टस के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली पब्लिक स्कूल, प्रयागराज में 7 दिवसीय अनहद–नाद कार्यक्रम चल रहा है। ऑडियो पार्टनर के रूप में जेबीएल के सहयोग से चल रहे इस कार्यक्रम

में आज भारतीय संगीत की अद्भुत धारा के ध्रुपद महान प्रतिमूर्ति, पंडित प्रेम कुमार मलिक ने अपनी अनुपम कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पंडित मालिक ने ध्रुपद संगीत की गहरी विशेषताओं के बारे में बात की, साथ ही संगीत की शुद्धता, निरंतरता और इसके अद्वितीय शास्त्रीय सौंदर्य को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया साथ ही स्पिक मैके को ऐसे कार्यक्रमों के लिए धन्यवाद दिया। पंडित प्रेम की प्रस्तुति के बाद धन्यवाद देते हुए स्पिक मैके के प्रदेश सचिव श्रेयांश शुक्ला ने कहा– श्अनहद–नाद कार्यक्रम दर्शकों को भारतीय संगीत की अनमोल धरोहर से जोड़ने में एक अहम भूमिका निभा रहा है। हमारी कोशिश है कि ऐसे कार्यक्रमों से हमारी सांस्कृतिक धरोहर को अमृत समान बल दिया जा सके। 15 फरवरी से चल रहा यह कार्यक्रम 21 फरवरी तक महाकुंभ मेला क्षेत्र की आभा को बढ़ाए

दिल्ली में भूकंप के आतिशी ने की सबकी सुरक्षा की कामना, झील पार्क में सालों पुराने पेड़ को नुकसान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली समेत एनसीआर में आज सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई है। जिसकी गहराई पांच किलोमीटर रही। भूकंप के बाद कई नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। दिल्ली में आज सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। सुबह 5.36 बजे 4.0 की तीव्रता से भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इसकी जानकारी दी। भूकंप का मुख्य केंद्र नई दिल्ली रहा। जो जमीन से 5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटकों के बाद पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर कार्यवाहक सीएम आतिशी तक ने पोस्ट साझा किया। दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने एक्स पर पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा कि अभी एक जोर का भूकंप आया है। मैं भगवान से प्रार्थना करती हू कि सब सुरक्षित होंगे। दिल्ली में आई भूकंप के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद

केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि मैं सभी की सुरक्षा की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि दिल्ली और आस–पास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। पीएम ने सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने के लिए कहा है। साथ ही संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह भी किया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। दिल्ली ही था भूकंप का केंद नेशनल सेंटर फॉर सेसमॉलॉजी के मुताबिक, सुबह–सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के तेज झटके आए। इसका केंद्र दिल्ली के 5 किमी. की गहराई में रहा है। ये भूकंप दिल्ली–एनसीआर में अक्षांशरू 28. 59 उत्तर, लंबाईरू 77.16 पूर्व, गहराईरू 5 किमी के आस–पास रहा। दिल्ली ही भूकंप का केंद्र था। इस वजह से यहां के लोगों को झटके काफी देर तक महसूस हुए। दिल्ली पुलिस ने जारी किया हेल्प लाइन नंबर दिल्ली एनसीआर में आए भूकंप के बाद दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स पर हेल्प लाइन नंबर साझा किया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि अगर किसी को कई परेशानी या दिक्कत हो तो इमरजेंसी हेल्प लाइन नंबर से संपर्क कर सकता है। भूकंप से झील पार्क में 20–25 साल पुराना पेड़ उखड़ा धौला कुआं स्थित झील पार्क के रखवालों का दावा है कि आज सुबह आए 4.0 तीव्रता के भूकंप ने पार्क में लगे 20–25 साल पुराने पेड़ को उखाड़ दिया। भूकंप का केंद्र धौला कुआं में था। पार्क में केयरटेकर महावीर ने जानकारी देते हुए बताया कि मैं आज सुबह 9 बजे ड्यूटी पर आया था। मैंने देखा कि पेड़ उखड़ा हुआ है। यह पेड़ 20–25 साल पुराना है। ऐसा भूकंप के कारण हुआ होगा, क्योंकि यहां हवा या आंधी जैसी कोई बात नहीं थी। कर्मचारियों ने बताया कि भूकंप के बाद जब उन्होंने पार्क का दौरा किया तो उन्होंने देखा कि पेड़ उखड़ गया है।

आजमगढ़ में सड़क हादसा,तीन मरे चार घायल

आजमगढ़,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के रानी की सराय थाना क्षेत्र में महाकुंभ से वापस आ रहे नेपाल देश के श्रद्धालुओं की एक कार सोमवार सुबह डिवाइडर में टकरा गई। इस हादसे में पति–पत्नी सहित तीन लोगों की मौत

हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सभी हताहत नेपाल देश के रूपम देही जिले के देवदार नगर पालिका के निवासी हैं। यह सभी 15 फरवरी को नेपाल से प्रयागराज में स्नान करने गए थे और स्नान करके आज वापस हो रहे थे कि आजमगढ़– वाराणसी राजमार्ग पर यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान दीपा (35),इनके पति गनेश (45) और गंगा (40) के तौर पर की गयी है। घायलों में ऋतिक दूबे (21) ,कोपिला देवकला देवी (35), अविशंकर (25) और शुभम पोखराल (22) को गोरखपुर मेडिकल कालेज भेजा गया है। प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण चालक को झपकी आना माना गया है।

विदेश मंत्री ने आपसी सहयोग बढ़ाने पर ओमानी विदेश मंत्री के साथ की बातचीत

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ओमान में 8वें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लिया और ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र अल्बुसैदी के साथ भारत–ओमान संबंधों को मजबूत करने के बारे में विचार विमर्श किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ जयशंकर ने हिंद महासागर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और एक स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने ओमान सल्तनत के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र अल्बुसैदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें दोनों नेताओं ने भारत–ओमान संबंधों के सभी आयामों की समीक्षा की। विदेश मंत्री ने हिंद महासागर सम्मेलन की मेजबानी करने और भारत–ओमान संबंधों को मजबूत करने में उनके दृढ़ समर्थन के लिए ओमान सल्तनत के नेतृत्व की सराहना की। चर्चाओं में आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। विदेश मंत्री ने भारत और

ओमान के बीच राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाले विशेष रूप से डिजाइन किए गए लोगो का अनावरण किया। जैसा कि दोनों देश 2025 में इसे मनाने की तैयारी कर रहे हैं, लोगो इतिहास, संस्कृति और मजबूत लोगों से लोगों के संबंधों पर निर्मित लंबे समय से चली आ रही साझीदारी का प्रतीक है। विदेश मंत्री ने श्री अल्बुसैदी के साथ ष्मांडवी टू मस्कटरू इंडियन कम्युनिटी एंड द शेयर्ड हिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड ओमानष् पुस्तक का भी विमोचन किया। मस्कट में भारतीय दूतावास द्वारा प्रकाशित पुस्तक में ओमान में भारतीय प्रवासियों के समृद्ध इतिहास और सदियों पुराने लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला गया है जो द्विपक्षीय संबंधों को आकार देना जारी रखते हैं। सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री ने ब्रुनेई, बंगलादेश, ईरान, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, मॉरीशस और नेपाल के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं, जिसमें आपसी चिंता के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई और हिंद महासागर क्षेत्र के साथ गहरे जुड़ाव के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि डॉ जयशंकर की ओमान यात्रा ने भारत और ओमान के बीच मजबूत और बहुआयामी संबंधों की पुष्टि की है तथा द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए उत्प्रेरक साबित हुई है।

मोदी ने ट्रंप को निर्वासित भारतीयों के मामले में जनाक्रोश से अवगत नहीं कराया: जयराम

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। एक अमेरिकी सैन्य विमान पांच फरवरी को 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा था। इनमें से 33–33 हरियाणा और गुजरात से थे, जबकि 30 पंजाब से थे। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि हाल में जब वह अमेरिका यात्रा पर थे तब उन्होंने अपने ''परम मित्र'' डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका से निर्वासित किये गये भारतीयों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजे जाने से पैदा हुए आक्रोश के बारे में नहीं बताया। इस महीने अब तक दो अमेरिकी सैन्य विमान भारतीयों को लेकर अमृतसर पहुंचे हैं। ऐसा अवैध प्रवासन के विरूद्ध कार्रवाई के ट्रम्प प्रशासन के वादे के तहत किया गया है। अमेरिका से एक और निर्वासन उड़ान रविवार रात को अमृतसर पहुंचने वाली है। कई निर्वासित लोगों ने दावा किया कि उड़ान में उन्हें बेडिघ्यों में जकड़कर रखा गया था। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अमेरिका से निकाले गए भारतीयों को बेड़ियों में जकड़ जाने की खबरों का हवाला देते हुए कहा, ''यह पूरी तरह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने अपने परम मित्र (ट्रंप) को अमेरिका से भारतीय नागरिकों को निकाले जाने के तरीके पर हमारे देश की नाराजगी से अवगत नहीं कराया। केवल कायर ही 56 इंच के सीने का दावा करते हैं।'' शनिवार देर रात 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा। इन निर्वासितों में से पुरुषों ने दावा किया कि यात्रा के दौरान वे बेड़ियों में जकड़े हुए थे और सिख युवक कथित तौर पर बिना पगड़ी के थे। एक अमेरिकी सैन्य विमान पांच फरवरी को 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा था। इनमें से 33–33 हरियाणा और गुजरात से थे, जबकि 30 पंजाब से थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अमृतसर हवाई अड्डे पर निर्वासित लोगों को लेकर अमेरिकी विमानों के पहुंचने के मामले में केंद्र पर निशाना साध रहे हैं।

चीन हमारा दुश्मन नहीं, वाले बयान पर बुरे फंसे सैम पित्रोदा

● भाजपा के पलटवार से सियासी घमासान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और उनका बयान हमेशा से ही चर्चा में रहा है और इस बार तो उन्होंने भारत चीन के मुद्दे पर ही बयानबाजी कर दी। उन्होंने कहा कि चीन भारत का दुश्मन नहीं है। साथ ही पित्रोदा ने चीन से खतरे को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किए जाने का दावा किया, जिसपर भाजपा ने पलटवार करते हुए आरोपों की झड़ी ही लगा दी। अपने बयान को लेकर चर्चा में रहने वाले कांग्रेस के विदेश इकाई के प्रमुख सैम पित्रोदा ने एक फिर अपने बयान से देश की सियासत गर्माहट तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन हमारा दुश्मन नहीं है। साथ ही उन्होंने चीन से खतरे को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किए जाने का दावा करते हुए कहा कि भारत को चीन को दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। क्या कहा पित्रोदा ने.. पित्रोदा ने कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया

जाता है और भारत का दृष्टिकोण हमेशा टकरावपूर्ण रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि देशों को एक–दूसरे से सहयोग करना चाहिए, न कि टकराव। हमें इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है और यह मानना बंद करना होगा कि चीन पहले दिन से ही दुश्मन है। बता दें कि कांग्रेस नेता का जवाब इस सवाल पर आया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन से खतरों को नियंत्रित कर पाएंगे। सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के मानसिकता पर उठाए सवाल भाजपा ने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत के लिए चीन से खतरे को कम करके आंका है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पित्रोदा की यह टिप्पणी कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाती है, और यह चीन के समर्थन में उनके नेताओं द्वारा किए गए बयानों से मेल खाती है। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि अमेरिका से भारत में फंडिंग की जाती है, जिसका इस्तेमाल चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। उन्होंने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर पाकिस्तान से रिश्ते रखने का भी आरोप लगाया।

सम्पादकीय

मोदी की फ्रांस-अमरीकी यात्रा से मिले नए संदेश

अभी चंद दिनों पहले अमरीकी सरकार द्वारा अवैध तरीके से अमरीका में रह रहे भारतीयों को बंधक बनाकर भारत भेजे जाने से देश में तनाव का महौल बन गया था। जबसे डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला है, वे कई मामलों में काफी आक्रामक रहे हैं। पदभार संभालने के साथ ही जिस तरह उन्होंने भारतीय मूल के अवैध प्रवासियों की पहली खेप बेड़ियों में जकड़ कर वापस भेज दी, उससे कई तरह की चिंताएं जताई जाने लगी थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा को विशेष माने जाने के एक नहीं, कई कारण रहे। यह दो बहुत अच्छे दोस्तों को बेहद टफ नेगोशिएटर की भूमिका में देखने का एक दिलचस्प मौका तो थी ही, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। हालांकि प्रधानमंत्री इस बार राजकीय यात्रा पर नहीं गए थे, मगर डोनाल्ड ट्रंप ने उनके साथ पूरी गरमजोशी दिखाई। इस मुलाकात में कई तरह के भ्रम भी दूर हुए। प्रधानमंत्री की इस बार की अमेरिका यात्रा कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण कही जा सकती है। इसी तरफ फ्रांस यात्रा में भारत और फ्रांस के बीच दस समझौते हुए है। यानि प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस और अमरीकी यात्रा कई मायने में महत्वपूर्ण साबित हुई। कुछ लोग कयास लगा रहे थे कि ट्रंप जिस तरह कुछ देशों के साथ व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क थोप रहे हैं और अमेरिकी हितों को तरजीह दे रहे हैं, उसमें भारत के साथ भी व्यापार प्रभावित हो सकता है। मगर ट्रंप ने इस कयास को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि जो देश जितना शुल्क लगाएगा अमेरिका भी उस पर उतना ही शुल्क लगाएगा, न कम न ज्यादा इसका साथ ही उन्होंने भारत सरकार के इस फैसले की तारीफ की कि उसने अनावश्यक शुल्क हटाना शुरू कर दिया है। जिससे भारतीय बाजार में अमेरिका की पहुंच कुछ और बढ़ेगी। दोनों देशों ने प्रतिरक्षा, तेल–गैस, नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग, आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग और प्रतिरक्षा खरीद मामलों ने महत्त्वपूर्ण समझौते किए। अमेरिका भारत को एफ–35 युद्धक विमान बेचने का इच्छुक है। भारत ने इस पर सहमति दे दी है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, पर भारत मानता है कि इस विमान की खरीद से उसकी सामरिक शक्ति बढ़ेगी। अमेरिका ने भरोसा दिलाया है कि वह भारत की नागरिक परमाणु ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा और हर सहयोग उपलब्ध कराएगा। वह भारत की तेल और गैस संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। दरअसल, भारत की चिंता कच्चे तेल की अधिक रहती है। रूस– यूक्रेन और इजराइल–फिलस्तीन संघर्ष के बीच आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई, तो कच्चे तेल के मामले में भारत ने रूस से सहयोग लेना शुरू कर दिया। अब अमेरिका से इस क्षेत्र में सहयोग मिलेगा, तो निश्चय ही उस पर दबाव कुछ कम होगा। निश्चय ही यह अमेरिका के फैसले के प्रति सकारात्मक रुख है। सबसे अधिक चिंता व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की चिंता जताई जा रही थी, मगर उस चिंता को दूर करते हुए दोनों देशों ने भरोसा दिलाया है कि वे 2030 तक आप व्यापार को दोगुना करेंगे। इससे न केवल दोनों देशों का व्यापार घाटा कम होगा, बल्कि दोनों का बाजार कुछ और विस्तृत होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में जिस गतिरोध की आशंका जताई जा रही थी, वह समाप्त हो गई है। यही नही जो थोड़ी–बहुत कसर बाकी थी, वह भी आपसी मुलाकात से ठीक पहले राष्ट्रपति ट्रंप के इस ऐलान से पूरी हो गई कि अमेरिका समान टैरिफ की पॉलिसी पर चलेगा। उन्होंने साफ–साफ कह दिया कि जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम उस पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। यह भारत को परोक्ष लेकिन सीधी चेतावनी थी। इस माहौल में तनाव को हावी होने दिए बगैर पीएम मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की तर्ज पर अपना नारा – मेक इंडिया ग्रेट अगेन पेश किया। उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि राष्ट्रपति ट्रंप की तरह वह भी अपने राष्ट्रहित का अनुसरण करेंगे। इस कूटनीतिक का नतीजा था कि जो माहौल टकराव की ओर जाता दिख रहा था, वह सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की ओर केंद्रित हो गया। न केवल टैरिफ जैसे मसलों पर फ्रेमवर्क बनाने की बातचीत शुरू करने पर सहमति बनी बल्कि अंतरिक्ष यात्रा, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर नजरें जम गईं। सबसे खास बॉत यह कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और अमेरिका लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहब्बुर राणा के प्रत्यर्पण को लेकर अमेरिका ने सकारात्मक रुख दिखाया है, उससे दोनों के रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। इसका सीधा असर पाकिस्तान और उसके आका चीन पर पड़ेगा। अवैध आप्रवासन को लेकर अमेरिका की चिंता पर भारत ने कहा कि वह अपने नागरिकों को वापस लेने को तैयार है, बेशक उन्हें ससम्मान वापस भेजा जाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने उन मानव तस्करों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाने का वादा किया, जो भारत से लोगों को बरगला या बहला कर दूसरे देशों में ले जाते हैं। मुंबई टेरर अटैक के एक साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का राष्ट्रपति ट्रंप ने वहीं ऐलान भी कर दिया। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन पीएम मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक फ्रांस यात्रा नई दिल्ली और पेरिस के रिश्तों को मजबूत करने वाली साबित हुई है। इस दौरान दोनों देशों ने 10 एमओयू, समझौतों जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर भारत–फ्रांस घोषणापत्र, भारत–फ्रांस इनोवेशन ईयर के लिए 2026 के लिए लोगो की लॉन्चिंग, फ्रांसीसी स्टार्ट–अप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में 10 भारतीय स्टार्ट–अप की मेजबानी के लिए समझौता, उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों और लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों पर साझेदारी स्थापित करने के उद्देश्य की घोषणा, त्रिकोणीय विकास संबंधी सहयोग की घोषणा, मार्सिले में भारत के वाणिज्य दूतावास का संयुक्त उद्घाटन शामिल हैं।

मौसम के रस-रंग: सर्दी में गर्मी बढ़ाएगी मुसीबत

❍ इस बार फरवरी में ही गर्मी जैसा आभास हो रहा है। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है।

कुमार रहमान

इस बार न हेमंत ऋतु में सर्दी पड़ी और न शिशिर यानी शीत ऋतु का ही असर रहा। फरवरी जहां सर्दी का मौसम होता था, इस बार लोग–बाग दिन में बिना स्वेटर और जैकेट के घूम रहे हैं। धूप अच्छी नहीं लग रही है। दिन गर्म हैं और रातें मुकाबले में थोड़ी सर्द। दिन में कभी सामान्य हवा चलती है तो कभी सर्द। इससे तापमान फ्लैक्चुएट हो रहा है। नतीजे में न सिर्फ मन और शरीर पर असर पड़ रहा है, बल्कि फसलों को भी नुकसान हो रहा है।

सर्दी का अनुमान गलत निकला

इस बार बारिश भरपूर हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि पिछले साल जैसी ही अच्छी सर्दी पड़ेगी। फरवरी 2024 में भरपूर ठंड रही थी तो इस अनुमान पर सभी को भरोसा था। सर्दी को लेकर लगाया गया कयास गलत साबित हुआ। दिसंबर भी उतना सर्द नहीं रहा, जितना कि होना चाहिए था। दिसंबर में न ज्यादा कोहरा पड़ा और न शीत लहर ही चली। कई बार तापमान सामान्य से ज्यादा रहा।

क्या रही वजह?

बरेली कॉलेज में पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि इस बार विंटर रेन नहीं हुई। इसकी वजह से मौसम अभी से गर्म है।

आम तौर पर दिसबंर और जनवरी में बारिश होती थी। कई दिनों तक होने वाली इस बारिश से न सिर्फ जमीन नम हो जाती थी, बल्कि वातावरण में भी नमी रहती थी। इस नमी की वजह से कोहरा और पाला बना रहता था। इस बार इनवारयमेंट में डिस्टर्बेंस रहा। इससे मौसम का मिजाज अभी से बदल गया है। बारिश की साइकिल आगे बढ़ी है। अब जून की जगह जुलाई में बारिश शुरू होती है। इसके समकक्ष जाड़े का मौसम आगे नहीं बढ़ा, बल्कि गर्मी जल्दी आ गई।

फरवरी में ही गर्मी जैसा आभास हो रहा है। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि जनवरी सामान्य से ज्यादा गर्म रही। इस लिहाज से लग रहा है कि लोगों को मार्च में ही मई जैसी गर्मी झेलनी पड़ सकती है। अगर अब भी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाता है तो बारिश हो सकती है। इससे सर्दी का असर बढ़ सकता है। वरना गर्मी का बढ़ना तय है।

बदले मौसम का खेती पर सबसे बुरा असर

दिसंबर में तापमान न गिरने और फिर फरवरी में ही गर्मी जैसा मौसम हो जाने का सबसे बुरा असर खेती पर पड़ा है। सरसों जैसी फसलों में वक्त से पहले फूल आ गए। इसकी वजह से फलियां भी कम हुई हैं। विंटर रैन न होने से फसलों में रोग की संभावना भी बढ़ी है और फसली कीड़ों की पैदावार भी।

एशिया के सबसे बड़े संस्थान इंडियन वैटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. रणजीत सिंह कहते हैं–

इस बार दिसंबर से ही तापमान ज्यादा रहा। इससे खेतों में पौधे ज्यादा बड़े नहीं हो पाए। अधिक तापमान से अभी भी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस बार रबी की फसलों में कल्ले कम आए हैं। राई और सरसों के पौधों में वक्त से पहले फूल और बालियां आ गई हैं। मौसम के इस बदलाव की वजह से गेहूं की पैदावार भी कम होगी।

इस दफा पैदावार 20 किलो प्रति बीघा कम होने का अनुमान है। डॉ. रणजीत सिंह ने बताया कि मौसम के इस बदलाव से फसलों में रोग आने की संभावना भी बढ़ गई है। पौधों में खर्रा रोग होने की उम्मीद बढ़ जाएगी। माहू, चेपा, भुनगा, थ्रिप्स जैसे कीड़ों की पैदावार बढ़ जाएगी। थ्रिप्स प्याज–लहसुन के लिए नुकसानदेह है।

हवा में नमी रहने और तापमान अचानक बढ़ जाने से पौधों की डंडी सूखने लगती है। इससे फसलों को नुकसान होता है। तापमान बढ़न से आलू के पौधे भी ज्यादा बड़े नहीं हो सके। इससे आलू की साइज भी छोटी रह जाएगी। उन्होंने कहा कि तापमान का उतार–चढ़ाओ पौधों में बीमारियों को जन्म देता है और पौधों का रस चूसने वाले कीड़े बहुत बढ़ जाते हैं।

मौसम का बदलाव नुकसानदेह

सामान्य तौर पर देखा जाए तो मौसम के बदलाव के हिसाब से लोग लाइफ स्टाइल चेंज कर लेते हैं। यह एक सामान्य बात लगती है, लेकिन बात बस इतनी भर नहीं है। मौसम का यह बदलाव पूरे पर्यवारण के लिए खतरनाक है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पर्यावरण एक्टिविस्ट शंभू दयाल कहते हैं कि तेजी से बदल रहे पर्यावरण पर सरकार से लेकर अवाम तक, सभी को चिंता करने की जरूरत है। तमाम सरकारी एजेंसीज हैं जो पर्यावरण के लिए काम कर रही हैं, लेकिन उनका प्रॉसेस बहुत स्लो है। वक्त की जरूरत है कि इसमें तेजी लाई जाए। एक दिन यह विकराल समस्या बनकर सामने खड़ी होगी, तो संभालना मुश्किल होगा। इस बदलाव को कोई भी गंभीरता से नहीं ले रहा है, वरना इसे सुधारा जा सकता है।

अब दिमाग में भी प्लास्टिक... इंसानी सेहत पर भयानक असर, लगभग ८०० समुद्री और तटीय प्रजातियों पर खतरा

❍ तमाम चेतावनियों के बाद भी इन्सान ने प्लास्टिक का उपयोग भले न छोड़ा हो, प्लास्टिक ने उसके दिमाग में प्रवेश करना जरूर शुरू कर दिया है।

सीमा जावेद

प्लास्टिक के सूक्ष्म कण (माइक्रोप्लास्टिक) हमारे शरीर के अंदर भी अपनी पैठ बनाने और इनके द्वारा अनेक जानलेवा रोग देने की बातें तो काफी समय से चली आ रही है। यह बात किसी हद तक सार्वजनिक रूप से स्वीकार की जा चुकी है कि पर्यावरणीय माइक्रोप्लास्टिक (एमपी) अब इन्सान, जानवर और समुद्री जीवों के लिए भी जानलेवा साबित हो रहा है। इसके बावजूद इससे पूरी तरह छुटकारा पाने की कोई राह नजर नहीं आ रही है। अब वैज्ञानिकों ने इन्सान के दिमाग में भी माइक्रोप्लास्टिक पाया है। हाल ही में साइंस एडवांस में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, प्लास्टिक के नैनो या अति सूक्ष्म कण इन्सान के दिमाग में भी प्रवेश कर रहे हैं। इस अध्ययन में पहली बार मानव मस्तिष्क के ऊतकों में प्लास्टिक्स के अति सूक्ष्म कण मिले हैं। हालांकि इसके इन्सानी दिमाग पर होने वाले दुष्प्रभावों का पूरी तरह आकलन होना बाकी है, लेकिन वैज्ञानिकों ने शोध में पाया कि नैनो प्लास्टिक के कण का आकार इतना अति सूक्ष्म है कि रक्त कोशिकाओं के माध्यम से वह ब्लड ब्रेन बैरियर को पार करके मानव मस्तिष्क में प्रवेश करने में सफल है। मौजूदा अध्ययन दर्शाता है कि प्लास्टिक प्रदूषण बहुत ज्यादा व्यापक है और मानव स्वास्थ्य पर इसका भयानक प्रभाव पड़ता है।

गौरतलब है कि ब्लड ब्रेन बैरियर या रक्त–मस्तिष्क बाधा (बीबीबी) रक्त और मस्तिष्क के बीच एक चयनात्मक अर्ध–पारगम्य

झिल्ली (सेमी पर्मिएबल मेम्ब्रेन) है, जो मस्तिष्क रक्त वाहिकाओं को रक्त से मस्तिष्क में अणु के प्रवेश को नियंत्रित करती है। अब तक माइक्रोप्लास्टिक (एमपी) इन्सान के लीवर, किडनी, प्लेसेंटा और रक्त सहित विभिन्न ऊतकों में पाए जा चुके हैं। प्लास्टिक खाद्य शृंखलाओं को बाधित करने, पानी और मिट्टी को दूषित करने और पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरे के साथ पारिस्थितिक प्रभाव भी पैदा कर रहे हैं। इसके बावजूद दिसंबर 2024 में दक्षिण कोरिया के बुसान में वैश्विक प्लास्टिक संधि (जीपीटी) के पांचवें दौर में भी कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। ज्ञात हो कि पृथ्वी पर प्लास्टिक के बढ़ते खतरे के बीच, दुनिया के देशों ने मार्च, 2022 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता करने पर सहमति व्यक्त कीदृजिसे वैश्विक प्लास्टिक संधि (जीपीटी) के रूप में भी जाना जाता हैदृजिसका उद्देश्य श्प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करनाश है।

मार्च 2022 में, जब यूएनईए में प्लास्टिक संधि के लिए प्रस्ताव अपनाया गया था, तो इसे श्पेरिस समझौते के बाद सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरण बहुपक्षीय समझौताश कहा गया और 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण के उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया, लेकिन फिलहाल इसमें कोई प्रगति नहीं दिखाई दे रही है।

दरअसल पेट्रोलियम समृद्ध देश प्लास्टिक उत्पादन को कम नहीं करना चाहते और कचरे के मैनेजमेंट पर जोर दे रहे हैं। वहीं विकासशील देश अपने बड़े प्लास्टिक उत्पादक वर्कफोर्स को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन चाहते हैं। ऐसी परस्पर विरोधी प्राथमिकताओं के बीच प्लास्टिक का पूरी तरह प्रतिबंधित होना मुश्किल है और कचरा प्रबंधन के जरिये दोबारा इस्तेमाल किया जाना ही इसका एक रास्ता नजर आ रहा है। ऐसे में शायद भारत द्वारा सिंगल यूज (एकल उपयोग) प्लास्टिक पर लगाया गया प्रतिबंध ही एकमात्र रास्ता निकले।

प्लास्टिक उत्पादन में वृद्धि से स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़े हैं। 1950 में दुनिया भर में केवल 15 लाख टन प्लास्टिक का उत्पादन होता था और 2022 में यह आंकड़ा 400 करोड़ टन तक पहुंच गया। 2050 तक प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग और निपटान द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन उस कुल उत्सर्जन का 15 प्रतिशत होगा, जो ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री से नीचे रखने के लिए अधिकतम सीमा है। आज हर साल 1.1 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्र में चला जाता है। यह आंकड़ा 2040 तक तीन गुना हो सकता है।

आस्था के संगम में फिल्मी सितारों की डुबकी

धर्म और आस्था का सबसे बड़ा समागम प्रयागराज का महाकुंभ अपनी पूरी भव्यता के साथ चल रहा है। अब तक करोड़ों श्रद्धालु और संतों के साथ देश और दुनिया के हर क्षेत्र की कई बड़ी हस्तियां इस आयोजन के पवित्र संगम में डुबकी लगा चुकी हैं। ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियां भी पीछे नहीं रही। कलाकारों, संगीत से जुड़ी नामचीन हस्तियों और टेलीविजन के लोगों ने महाकुंभ में शिरकत की और गंगा, जमुना और सरस्वती की पवित्र त्रिवेणी के संगम में स्नान कर आध्यात्मिक संतुष्टि महसूस की। प्रयागराज महाकुंभ के इस महाआयोजन का आनंद लेने के लिए करोड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में कई फिल्मी हस्तियों ने भी महाकुंभ में शामिल होकर सनातन धर्म को करीब से जाना। ये हस्तियां बिना किसी लवाजमे के यहां पहुंचीं और पुण्य के भवसागर में आस्था की डुबकी लगाई। पवित्र संगम में जिस भी फिल्मी हस्ती ने डुबकी लगाई, उसने बिना किसी दिखावे के अपनी श्रद्धा दर्शाई। ज्यादातर फिल्मी लोग अपनी पहचान बताए बिना महाकुंभ में आए और गंगा नहाए। हेमा मालिनी और रवि किशन जैसे लोगों के आसपास जरूर सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जबकि, दक्षिण के कई बड़े सितारे ऐसे भी आए जो सामान्य व्यक्ति की तरह महाकुंभ में पहुंचे। इस इलाके के एक नामी खलनायक ने तो अपनी पहचान जाहिर करने पर नाखुशी तक जाहिर की। महाकुंभ में हस्तियों को लेकर कुछ अलग प्रसंग भी हुए, उनमें 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी, माला बेचने वाली मोनालिसा और आईआईटीयन संत भी हैं। ममता कुलकर्णी ने महाकुंभ 2025 के दौरान किन्नर अखाड़ा में शामिल होकर संन्यास ग्रहण किया। उनके इस फैसले को जमकर प्रचार मिला। लेकिन, संतों के विरोध के कारण बाद में उन्हें महामंडलेश्वर पद से हटा दिया गया। हिंदी और भोजपुरी के मशहूर एक्टर और सांसद रवि किशन भी संगम में डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे डुबकी लगाते और पूजा करते दिखे। वीडियो पोस्ट करते हुए रवि किशन ने अपनी भावना जाहिर की– 'तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संगम में स्नान के पश्चात पूजा किया। देश की आस्था, संस्कृति की प्रतीक पवित्र गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल करने का कार्य पूरा हो, इसकी प्रार्थना की!' जाने–माने एक्टर अनुपम खेर ने भी महाकुंभ में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पवित्र स्नान किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर स्नान की झलक शेयर की और इस आध्यात्मिक क्षण में प्रार्थना करते हुए मंत्रों का जाप किया। फिल्म कोरियोग्राफर एंड डायरेक्टर रेमो डिसूजा भी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे, फैंस से अपना चेहरा छुपाकर स्नान किया व बाद में सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री नीना गुप्ता और संजय मिश्रा भी महाकुंभ में पहुंचे। दोनों ही कलाकारों ने मेले का भ्रमण किया और संगम में डुबकी के साथ गंगा को नमन किया। दोनों ही कलाकार अपनी अगली फिल्म 'वध–2' के प्रचार के लिए भी प्रयागराज पहुंचे। नीना गुप्ता ने कहा कि मां गंगा के पवित्र जल में स्नान का अवसर एक आध्यात्मिक यात्रा जैसा अहसास था। संजय मिश्रा की भावना थी कि आस्था का सागर देखना इतना सुखद है कि शब्दों में बयान करना मुश्किल है। फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने पत्नी पत्रलेखा के साथ पवित्र समागम का हिस्सा बनने के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे महाकुंभ की हवाओं में बिखरे आध्यात्मिक भावों और लाखों–करोड़ों लोगों को कुंभ स्नान करते देखकर अभिभूत दिखे। 'मैंने प्यार किया' से धूम मचाने वाली एक्ट्रेस भाग्यश्री अपने बच्चों अवंतिका और अभिमन्यु दासानी के साथ प्रयागराज पहुंचीं और सोशल मीडिया पर वहां की झलकियां शेयर कीं। प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने भी भक्तों से अपने पवित्र स्नान को आध्यात्मिक ज्ञान के साथ पूरक करने का आग्रह किया। कलाकार मिलिंद सोमन भी पत्नी अंकिता कोंवर के साथ प्रयागराज आए। इस जोड़े ने मौनी अमावस्या के शाही स्नान वाले दिन संगम में डुबकी लगाई व भक्ति में डूबे दिखे। दोनों ने अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। फिल्मों की ड्रीम गर्ल और सांसद हेमा मालिनी भी मौनी अमावस्या के मौके पर महाकुंभ पहुंचीं। इस दौरान उनके संग बाबा रामदेव भी नजर आए। अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने भी महाकुंभ मेले में शिरकत की। उन्होंने संगम पर स्नान किया और सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर की। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी भी महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंची। अदाकारा ईशा गुप्ता भी संगम में डुबकी लगाते हुए नजर आई। फिल्म 'जन्नत' में नजर आई एक्ट्रेस सोनल चौहान ने भी त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अभिनेत्री पूनम पांडे भी महाकुंभ में दिखाई दी। संगम में स्नान करते हुए कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा 'महाकुंभ३ जीवन को करीब से देखना, जहां 70 साल का बुजुर्ग घंटों नंगे पैर चलता है, जहां आस्था की कोई सीमा नहीं होती। यहां की भक्ति ने मुझे निःशब्द कर दिया।' फिल्म इंडस्ट्री के कई स्टार्स अब तक महाकुंभ मेले में पहुंचकर संगम में स्नान कर चुके हैं। इनमें उपरोक्त के अलावा सिंगर गुरु रंधावा, केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी, फिल्ममेकर एकता कपूर समेत तमाम फिल्मी सितारे महाकुंभ में भाग ले चुके हैं। वहीं इससे पहले फेमस इंटरनेशनल रॉक बैंड कोल्ड प्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन व एक्ट्रेस डकोटा जॉनसन ने भी महाकुंभ में स्नान किया था। मॉडल हर्षा रिछारिया, माला बेचने वाली कत्थई आंखों वाली मोनालिसा, आईआईटीयन बाबा और पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ के कुछ ऐसे पात्र हैं, जो कई दिनों तक चर्चा में बने रहे। सबसे ज्यादा माहौल बना ममता कुलकर्णी का जो 90 के दशक की लोकप्रिय हीरोइन थी। अपने बोल्ड लुक और सुंदरता के लिए लोकप्रिय ममता करीब 19 साल पहले गायब हो गई थी। इनका नाम अंडरवर्ल्ड से लेकर ड्रग्स माफिया और कई गुंडों तक से जुड़ता रहा। अचानक ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ में अवतरित हुई और किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बन गई। संगम तट पर पिंडदान किया और उन्हें नाम मिला यामाई ममता नंद गिरि। लेकिन, सप्ताहभर में ही उनकी सारी कीर्ति ध्वस्त हो गई जब साधु–संतों के विरोध के बाद उन्हें महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया। ऐसी ही लोकप्रियता एक माला बेचने वाली लड़की मोनालिसा को उसकी कत्थई आंखों और सुंदरता के कारण मिली। महाकुंभ में वे इतनी चर्चित हो गईं कि उसे परिवार ने वापस अपने मध्यप्रदेश के गांव भेज दिया। लेकिन, उसकी सुंदरता ने फिल्म इंडस्ट्री को बेहद प्रभावित किया व एक फिल्म की हीरोइन बना दिया गया। फिलहाल वे मुंबई में एक्टिंग की ट्रेनिंग के साथ अपने मेकओवर में लगी हैं। इन दोनों के अलावा मॉडल हर्षा रिछारिया और आईआईटीयन बाबा भी कुछ दिन खबरों में छाए रहे, समय के साथ ये सभी हाशिए पर चले गए। पर, आस्था व धार्मिक चेतना जगाने वाला महाकुंभ मेला जारी है।

3 दिन से चल रही पंचायत, शादी से पहले ही बना लिए संबंध

वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के एक प्रेमी और एक प्रेमिका की अजब कहानी पुलिस के सामने आई है। पुलिस इस मामले में उलझ गई है। वहीं, प्रेमिका शादी की जीद पर अड़ी है, तो प्रेमी अपने परिवार की मोह माया में फंसा है। प्रेमिका ने पुलिस से शादी के लिए गुहार लगाई है। कहा कि प्रेमी और उसके परिवार के खिलाफ मुकदमा नहीं लिखवाना है। थाने में तीन दिन से चल रही यह पंचायत पुलिस के लिए सिरदर्द बन गई है। चोलापुर थाना क्षेत्र की एक प्रेमी और एक प्रेमिका का पिछले चार साल से प्रेम संबंध है। दोनों के बीच पति–पत्नी में होने वाले रिश्ते को भी पूरा कर लिया है। अब प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ शादी करने की गुहार लेकर चोलापुर थाने पहुंची है। चोलापुर थाने में पिछले तीन दिन से मामले को लेकर पंचायत चल रही है। दोनों अलग–अलग जाति के हैं लेकिन ग्राम पंचायत एक है।

ये है पूरा मामला

थानाध्यक्ष चोलापुर ने बताया कि प्रेमी और प्रेमिका के बीच चार साल से संबंध है। शादी की बातचीत करने को लेकर प्रेमिका के साथ प्रेमी ने एक होटल में शारीरिक संबंध भी बनाया है। बताया कि प्रेमिका को टीबी की शिकायत पहले थी, जिस पर प्रेमी ने ही उसका इलाज करवाया। अब वह स्वस्थ है। प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ शादी करने की बात कर रही है। उसका कहना है कि वह मुकदमा नहीं लिखवाना चाहती।

वहीं, प्रेमी के द्वारा बताया गया कि वह अपने मां–बाप को नहीं छोड़ सकता। जब मां–बाप हामी भर देंगे तो ही शादी हो पाएगी। प्रेमिका के मां–बाप ने प्रेमी युवक के साथ शादी करने की हामी भर दी है। तीन दिन से पुलिस चौकी मुर्दहा और थाने पर इस मामले को लेकर पंचायत चल रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवती अपने प्रेमी के खिलाफ मुकदमा नहीं लिखवाना चाह रही है। उसकी जीद है कि वह शादी करेगी और दुल्हन बनाकर अपने प्रेमी के घर जाएगी। इस मामले को लेकर पुलिस काफी परेशान है।

लोन दिलाने के नाम पर 37 महिलाओं से लाखों की ठगी

वाराणसी। थाना क्षेत्र के दो गांवों की 37 महिलाओं ने लोन के नाम पर लाखों की ठगी के आरोप में एक कंपनी के फाइनेंसर के खिलाफ तहरीर दी। सौंपी तहरीर के अनुसार चिरैयकोट थाना क्षेत्र के ग्राम कमरवा और कमथरी निवासी विमला, सविता, तारा, किरन, सोनिया आदि ने बताया कि क्षेत्र के भिखमपुर गांव के पास आजमगढ़ गाजीपुर सड़क के किनारे चार माह पहले एक किराये के मकान में एक फाइनेंस कंपनी के नाम से एक बैंक खुला था। सबसे पहले उसने अपने बैंक पर बुलाकर एक समूह बनाने की बात कही। सभी को पहले लोन के लिए बीमा कराना आवश्यक कहते हुए एक एक महिलाओं से 35–35 सौ रुपये बीमा करने के नाम पर ले लिया। साथ ही खाता पर लोन का पैसा भेजने की बात कही। लेकिन चार माह बाद भी जब राशि नहीं आई तो महिलाएं उस कार्यालय पर पहुंचीं तो वहां ताला बंद मिला। वहीं चिरैयाकोट थानाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में है, इस संबंध में साइबर सेल को अवगत कराकर मामले की जांच की जा रही है।

5 साल में वाराणसी, प्रयागराज और विंध्य मंडल के 15 हजार उद्यमी लगाएंगे उद्योग

वाराणसी। अगले पांच साल में वाराणसी मंडल सहित प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के सभी जिलों 15000 उद्यमियों को उद्यम लगाने और डेढ़ लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। ये लक्ष्य रविवार काशी दौरे पर आए केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने छावनी स्थित एक होटल में तीनों मंडलों के अधिकारियों को दिए। केंद्रीय मंत्री ने काशी विश्वनाथ धाम और बाबा काल भैरव के दर्शन पूजन के बाद एक होटल में अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना की समीक्षा की। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग निदेशक एसके चौहान ने बताया कि उद्यमियों के आवेदन अधिक संख्या में अपर्याप्त कारणों से बैंकों की ओर से अस्वीकृत किए जा रहे हैं इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी गई। बैंकों की ओर से आ रही रुकावटों को केंद्रीय मंत्री ने उच्च स्तर पर समीक्षा किए जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा, उद्यम स्थापना के प्राप्त अवशेष लक्ष्यों को जल्द पूरा करें।

प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी प्रेमिका, मामला पहुंचा चोलापुर से सारनाथ थाने

दानगंज/सारनाथ। प्रेमी से शादी करने की जिद पर अड़ी प्रेमिका का मामला चोलापुर थाने से 38 घंटे की पंचायत के बाद रविवार की शाम सारनाथ थाने पहुंचा। पुलिस ने युवक को बैठा लिया है और तहरीर के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। चोलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के अनुसार, वह एक विजातीय युवक से चार वर्षों से प्रेम करती है। दोनों के बीच पति–पत्नी जैसा संबंध है। वह टीबी की बीमारी से ग्रसित हुई तो प्रेमी ने ही उसका उपचार कराया और अब वह स्वस्थ है। प्रेमी से शादी कराने के लिए उसके मां–बाप तैयार हैं। मगर, प्रेमी के मां–बाप उससे उसकी शादी को नहीं तैयार हैं। इसके चलते प्रेमी ने भी शादी से मना कर दिया है। पुलिस ने युवती को काफी समझाया कि वह तहरीर दे दे तो कानूनी कार्रवाई की जाए। इस पर युवती ने कहा कि वह अपने प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई नहीं चाहती है। वह उससे शादी करना चाहती है। चोलापुर थाने की पुलिस को युवती ने बताया कि वह अपने प्रेमी के साथ सारनाथ क्षेत्र स्थित होटल में रही है। इस पर चोलापुर थाने की पुलिस ने युवती और उसके प्रेमी को सारनाथ थाने भेज दिया। उधर, इस संबंध में सारनाथ थाना प्रभारी विवेक त्रिपाठी ने बताया कि युवक से पूछताछ की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

मौसम में बदलाव का असर, 2220 मरीजों में 60 फीसदी मरीजों में वायरल, उल्टी, दस्त की शिकायत

वाराणसी। मौसम में बदलाव के साथ ही लोग बीमारियों की गिरफ्त में आने लगे हैं। उल्टी–दस्त, डायरिया के बीमार अस्पताल पहुंचने शुरू हो गए हैं। गर्मी में तेजी आने के साथ ही मरीजों की संख्या का ग्राफ बढ़ा है। रविवार को नगरीय चार प्राथमिक सहित 40 अस्पतालों में 2220 मरीज पहुंचे थे, इसमें 1500 से अधिक मरीज बदले मौसम से आई बीमारियों के जद में आने से बीमार होकर उपचार कराने पहुंचे थे। इस दौरान अब तक आयोजित मेले में सबसे ज्यादा 49 मरीजों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। इससे पहले ये संख्या 25 हो गई थी। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हनुमान नगर में 68 मरीजों का उपचार हुआ, इसमें 35 मरीज उल्टी, दस्त, बुखार से पीड़ित मरीज थे। वहीं भरहू का पुरा में 42 मरीजों का उपचार किया गया, इसमें 14 मरीज बुखार से पीड़ित मिले। वहीं डोमनपुरा में 69 मरीजों का उपचार किया गया। इसमें 35 मरीज बुखार, उल्टी दस्त से पीड़ित मिले।

इसी तरह से छोटी महरनिया अस्पताल में 41 मरीजों का उपचार हुआ, जिसमें 21 मरीज वायरल से पीड़ित मिले। इसी तरह से बगली पिजड़ा में 166, चिरैयाकोट में 151,काझाखुर्द में 114 तो सिपाहइब्राहिमाबाद में 104 मरीजों तो खुरहट में 74, मधुबन में 67 मरीजों का इलाज किया गया। मेले में 82 डॉक्टरों की टीम ने 248 स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मिलकर 997 पुरुष मरीज, 940 महिला मरीज तो 283 किशोर किशोरियों का उपचार किया गया। जबकि बेहतर उपचार के लिए 49 मरीजों को रेफर किया गया।

बकाया है 433 करोड़, जमा हुए मात्र 27 करोड़

पीडीडीयू नगर। विद्युत निगम की ओर से ओटीएस के तहत 15 फरवरी तक चलाए गए अभियान के तीसरे चरण में मात्र 45 हजार उपभोक्ताओं ने लाभ लिया है, जबकि उपभोक्ताओं की संख्या 2.15 लाख के करीब है। योजना का लाभ लेने वालों ने कुल 27 करोड़ 62 लाख रुपये जमा किया है, जबकि विद्युत निगम का लक्ष्य 433 करोड़ रुपये जमा कराने का है। कम वसूली को देखते हुए विभाग ने योजना की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 फरवरी कर दी है। हालांकि ओटीएस के तहत मिलने वाली छूट का प्रतिशत घटा दिया गया है। जिले में विद्युत निगम के तीन डिविजन हैं। चंदौली डिविजन के 20 हजार 396 उपभोक्ताओं ने 11.68 करोड़ रुपये, सकलडीहा में 15 हजार 546 उपभोक्ताओं ने 10.84 करोड़ और मुगलसराय डिवीजन में आठ हजार 621 उपभोक्ताओं ने 5.11 करोड़ रुपये जमा किए हैं। शासन के निर्देश पर विद्युत निगम की ओर से जिले में एक से 31 जनवरी तक एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का दूसरा चरण चलाया गया था। एक माह तक चले अभियान में करीब 40 हजार लोगों ने ही योजना के लाभ के लिए आवेदन किया। दूसरे चरण में भी करीब 18 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही ओटीएस का लाभ उठाया है। उधर, विभाग की ओर से एक से 15 फरवरी तक चलाए गए तीसरे चरण के अभियान में भी वसूली संतोषजनक नहीं रही। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि एक से 15 फरवरी तक चलाए गए अभियान के दौरान योजना का लाभ सभी बकाएदार उपभोक्ताओं ने नहीं लिया है। उपभोक्ताओं को योजना के तहत ब्याज में मिल रही छूट का लाभ लेना चाहिए। योजना की तिथि समाप्त होने के बाद जांच अभियान चलाकर बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे जाएंगे, साथ ही उन पर एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

मजदूरी के 3.22 लाख रुपये मांगे तो की मारपीट

शिवपुर। बड़ालालपुर निवासी रंगाई–पुताई का काम करने वाले सदानंद की तहरीर पर शिवपुर थाने में मारपीट सहित अन्य आरोपों और एससी–एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदानंद ने पुलिस को बताया कि वह मकान में पेंट करने का काम करता है। देवपुरम कॉलोनी निवासी अजय दीक्षित 4 जून 2024 की शाम उसे अपने मकान में प्लास्टिक पेंट और पॉलिश का काम करने के लिए बोले। मजदूरी 4,97,523 रुपये तय हुई। उन्होंने लगभग डेढ़ लाख रुपये से कुछ ज्यादा दिया। इसके बाद 3,22,523 रुपये बकाया हो गया। काम पूरा होने के बाद अजय दीक्षित मजदूरी का पैसा देने में हीलाहवाली करने लगे। साथी मजदूरों को लेकर वह तीन फरवरी 2025 को अजय दीक्षित के घर गया। इस पर उन्होंने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए मारपीट कर भगा दिया। उसी शाम वह घर से बाजार गया था तो अजय दीक्षित अपने साथी अमरजीत और राकेश के अलावा तीन अज्ञात के साथ घर आए। तीनों ने उसकी पत्नी की पिटाई की।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचे प्रश्नपत्र

मऊ। यूपी बोर्ड हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा शुरू होने में नौ दिन ही शेष हैं, लेकिन परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच संकलन केंद्र पर बोर्ड प्रश्नपत्रों की खेप पहुंची। सभी प्रश्न पत्रों के बंडलों को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखवाया गया। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। यूपी बोर्ड हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए इस वर्ष नगर स्थित तालीमुद्दीन इंटर कॉलेज को संकलन केंद्र बनाया गया है। बोर्ड से आए बोर्ड प्रश्नपत्रों की खेप को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखवाया गया। यहां 24 घंटे सीसी कैमरों से इनकी निगरानी होगी। स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच तीन तालों के बीच प्रश्न पत्रों को रखा जाएगा। यहां 24 घंटे पुलिस बल की तैनाती रहेगी। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में परीक्षा केंद्रों को प्रश्नपत्र भेजा जाएगा। इसके पूर्व संकलन केंद्र से भेजी गई बोर्ड उत्तरपुस्तिकाओं को परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रुम में रखवा दिया गया हैं। जिलास्तरीय और बोर्ड के कंट्रोल रूम से स्ट्रांग रूम की 24 घंटे ऑनलाइन निगरानी की जा रही है। इसके लिए तीन शिफ्ट में कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक वीपी सिंह का कहना है कि कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रुम की 24 घंटे ऑनलाइन निगरानी की जा रही है।

पति काम करें, जिम्मेदारी समझे मैं दूंगी उसका साथ... परिवार परामर्श में बोली महिला

वाराणसी। मेरी पत्नी मायके चली गई है, अब वह वापस घर नहीं आ रही है। उसके न आने का कारण उसके मायके के लोग है। यह बात रविवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित परिवार परामर्श की बैठक में एक व्यक्ति ने गुहार लगाते हुए सदस्यों के समक्ष कही। वहीं इस जवाब पर मौजूद व्यक्ति की पत्नी ने कहा कि वह अपने पति के साथ उसके घर रहेगी लेकिन उन्हें सबसे पहले आप सभी के समक्ष दो वचन देना होगा। इसमें सबसे पहला वह शराब पीना और सभी से अभद्रता करना बंद करें, दूसरा वह जिम्मेदार बनकर परिवार की जिम्मेदारी पूरा करें। वहीं महिला के साथ आए उसके परिजनों ने बताया कि उनका दामाद शराब पीकर उनकी बेटी से मारपीट कर उसे घायल कर देता है।वहीं इसे पहले तीन दंपति जिनके बीच कई माह से आपसी कहासुनी के चलते मामला परिवार परामर्श के पास पहुंचा था। उन्होंने सदस्यों के समक्ष एक बार फिर से साथ रहने का वचन लेते हुए सुलह किया। इससे पहले सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक 47 मामले आए, इसमें 15 मामलों का निस्तारण हुआ। वहीं तीन फाइल को बंद कर दिया गया। बैठक में अर्चना उपाध्याय, सर्वेश दूबे, शाहिद पैरिस, मौलवी अरशद मौजूद रहे।

स्टेशन अधीक्षक ने सीपीआर देकर बचाई महिला की जान

पीडीडीयू नगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात करीब 11 बजे प्लेटफॉर्म संख्या तीन पर हार्ट अटैक की शिकार हुई महिला की स्टेशन अधीक्षक ने सीपीआर देकर जान बचाई। महिला की सांस चलने पर मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद महिला आगे के लिए रवाना हुई। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर ज्यादा भीड़ को देखते हुए प्लेटफॉर्म संख्या तीन से स्पेशल ट्रेन चलाई गई। इस ट्रेन पर सवार होते समय 45 वर्षीय महिला नीचे गिर पड़ी। नीचे गिरकर वह अचेत हो गई। महिला के साथ चल रही दूसरी महिला वहीं रोने लगी। यह देख लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच मंडल वित्त अधिकारी ने इसकी सूचना कंट्रोल को दी। कंट्रोल की सूचना पर ड्यूटी पर तैनात स्टेशन अधीक्षक टू सीबी राय मौके पर पहुंचे। मेडिकल टीम के पहुंचने के पहले ही उन्होंने महिला के स्वास्थ्य की जांच की। उस दौरान सांस रुक गई थी। यह देख कर उन्होंने सीपीआर देना शुरू कर दिया। लगभग पांच मिनट तक लगातार वे सीपीआर देते रहे। इसके बाद महिला की सांस फिर से चलने लगी। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। मौके पर पहुंची लोको मंडलीय चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। महिला के स्वस्थ महसूस करने पर उसे गंतव्य के लिए रवाना किया गया। एक सप्ताह पहले भी स्टेशन अधीक्षक ने एक युवक और एक बुजुर्ग को सीपीआर देकर जान बचाई थी।

एसपी, डीआरएम, कमांडेंट ने स्टेशन पर संभाली सुरक्षा की कमान

पीडीडीयू नगर। दिल्ली में शनिवार की रात हुए हादसे के बाद पीडीडीयू जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। डीआरएम राजेश गुप्ता, एसपी आदित्य लांग्हे और वरीय मंडल सुरक्षा अधिकारी जेतिन बी राज समेत आला अधिकारियों ने पीडीडीयू जंक्शन पर पहुंच कर व्यवस्था संभाल ली है। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए जाने तथा वहां से आने वालों की भीड़ बढ़ते ही स्टेशन पर पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई। ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। शनिवार और रविवार की छुट्टी के कारण प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए जाने वाले यात्रियों की भीड़ एकबारगी फिर बढ़ गई है। शुक्रवार की रात से ही प्रयागराज जाने वालों की भीड़ अचानक बढ़ गई है। शनिवार की रात स्टेशन पर ज्यादा भीड़ पहुंची। इस बीच नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसा हो गया। इसके बाद पीडीडीयू जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। माघ पूर्णिमा के बाद स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन के लिए बाहर से आए अधिकारी लौट गए थे, लेकिन शनिवार को नई दिल्ली में हुए हादसे के बाद अधिकारियों को वापस बुला लिया गया। स्टेशन पर भीड़ अनियंत्रित न हो, इसके लिए आरपीएफ, जीआरपी, वाणिज्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ही स्वास्थ्य, सिग्नल, कैरेज सहित अन्य विभागों के कर्मियों को भी भीड़ प्रबंधन में लगा दिया गया है। रविवार की सुबह स्टेशन पर जाने वाले बेटिकट यात्रियों को बाहर ही रोक दिया गया। डीआरएम राजेश गुप्ता, कमांडेंट जेतिन बी राज, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधांशु रंजन, वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक मोहम्मद इकबाल सहित अन्य अधिकारियों की टीम स्टेशन पर पहुंच गई और भीड़ प्रबंधन में जुट गई। वहीं दोपहर लगभग 12 बजे एसपी आदित्य लांग्हे, एएसपी कृष्ण मुरारी शर्मा, सीओ आशुतोष भी पहुंचे और स्टेशन पर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

आरोग्य मेले में 1462 मरीजों की हुई जांच

चंदौली। जिले के दो शहरी और 21 ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें कुल 1462 मरीजों की जांच कर उन्हें दवाएं दी गई। आरोग्य मेले का शुभारंभ डॉ. युगल किशोर राय ने किया। आरोग्य मेले में सबसे ज्यादा 194 गैस्ट्रो के मरीज आए। वहीं 40 लोगों के ब्लड प्रेशर की जांच की गई। इस दौरान सीएमओ ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेला गांव के गरीब मरीजों के लिए वरदान है। आरोग्य मेले में जांच के साथ ही दवाएं भी मिल रही हैं। इस दौरान 644 पुरुष, 557 महिलाओं के अलावा 242 बच्चों की जांच कर उन्हें दवाएं दी गईं। इनमें 270 मरीजों की स्किन के साथ ही 40 मरीजों के ब्लड प्रेशर की जांच की गई। फीवर के 62, गैस्ट्रो के 194, लीवर के 104 व सांस के 64 मरीज इलाज के लिए आए। उधर, शिकारगंज क्षेत्र के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर कला और अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुड़हुआ दक्षिणी में आयोजित आरोग्य मेले में बुखार, खुजली, पीलिया, फंगल इन्फेक्शन सहित अन्य बीमारियों से परेशान 328 मरीज पहुंचे। डॉ. विजय कुमार वर्मा ने मरीजों की जांच कर दवाएं दीं।

उद्योग व्यापार मंडल ने भाजपा विधायक को सौंपा ज्ञापन

चंदौली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व में रविवार को व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल सैयदराजा के भाजपा विधायक सुशील सिंह से उनके सदर कार्यालय पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा विधायक को मुख्यमंत्री को संबोधित 16 सूत्री मांग पत्र सौंपा। इसमें व्यापारियों ने शिक्षक स्नातक क्षेत्र की तरह ही व्यापारियों में से अवध, काशी, ब्रज, गोरक्ष, कानपुर–बुंदेलखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश से छह विधान परिषद सदस्य चुने जाने की व्यवस्था कराने मांग की। जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने सरकार से व्यापारियों की समस्याओं के प्रति गंभीर होने तथा उसके समाधान की मांग की। इसके अलावा जीएसटी के मामले में व्यापारियों को अनावश्यक नोटिस जारी न करने, सैंपल लेने के नाम पर व्यापारियों को परेशान न करने, सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस देने आदि की मांग भी की। उन्होंने व्यापारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ते हुए आयुष्मान कार्ड देकर इसका लाभ दिलाने की भी मांग की। इस दौरान हरजीत सिंह, अमित केशरी, महेंद्र गुप्ता, शीला, आभा जायसवाल अमीय कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे।

घर के बाहर खड़ी कार में लगाई आग, सीसी कैमरे में कैद हुई घटना

वाराणसी। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के मानिकपुर असना गांव में शनिवार की देर रात घर के सामने खड़ी कार जलकर नष्ट हो गई। ये पूरी घटना सीसी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। मानिकपुर असना गांव निवासी मोहम्मद अरशद ने बताया कि शनिवार रात एक नकाबपोश व्यक्ति आया, घर का दरवाजा बाहर से बंद करके 12रू35 बजे बाहर खड़ी उसकी कार में आग लगा दी। धूआं उठने पर परिजन जागे, लेकिन दरवाजा बाहर से बंद होने के कारण बाहर नहीं जा पाए। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने किसी तरह आग बुझाई। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने जांच किया और वापस लौट गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति कार में आग लगाते हुए दिख रहा है। उसकी पहचान की जा रही है।

पानी के रिसाव से 12 गांवों में डूब जाती है धान की फसल

वाराणसी। मधुबन तहसील क्षेत्र के लौवासाथ गांव में स्थित रेगुलेटर पुलिया से पानी का रिसाव होने से दो साल से 12 गांवो में धान की फसल डूब जाती है। बरसात के दिनों में सरयू नदी के साथ हाहा नाला का जलस्तर भी बढ़ने पर गांवो को बाढ़ से बचाने के लिए पुलिया में रेगुलेटर और फाटक लगाया गया। लेकिन उसका लाभ नहीं मिलता है।हाहानाला और लौवासाथ गांव की पोखरी की पानी को नियंत्रित करने के लिए अहिरूपुर–लौवासाथ मार्ग पर 12 साल पहले पुलिया का निर्माण हुआ। नींव नीचे तक नहीं बनाने, सीमेंट लगाकर समतल नहीं किया गया, जिससे रेगुलेटर बंद होने पर बड़ी मात्रा में पानी का रिसाव होता है। सुरेंद्र यादव, बुनेला सहानी, प्रदुम्न सहानी, पंचदेव आदि किसानों ने बताया कि बीते साल रिसाव होने से जब धान की फसल डूबने लगी तो, तहसील दिवस पर पहुंचकर मरम्मत कराने के लिए प्रार्थनापत्र दिया था। वहां राजस्व विभाग के कर्मचारी पहुंचे, लेकिन मरम्मत नहीं हुआ। थक हार कर ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने चंदा लगाया और बालू से भरी बोरी वहां रखवाई, जिसके बाद रिसाव कुछ कम हुआ। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को अवगत कराने पर उन्होंने कहा रेगुलेटर के देखरेख की जिम्मेदारी उनकी नहीं है।

ग्राहक सेवा केंद्र से 76 हजार रुपये लेकर भागने वाले तीन बदमाश हत्थे चढ़े

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के आजाद चौराहा स्थित ग्राहक सेवा केंद्र से 76 हजार रुपये लेकर भागने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों की पहचान सलारपुर के विशाल गुप्ता, रसूलगढ़ के मनीष गोड़ और सूजाबाद बंधा रोड निवासी सूरज गुप्ता के रूप में हुई है। तीनों के पास से 15720 रुपये, वारदात में प्रयुक्त बाइक, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट कार्ड और तीन मोबाइल बरामद किया गया है। परनापुर गांव की रहने वाली नीलम कुमार की तहरीर पर चौबेपुर थाने में गत पांच फरवरी को मुकदमा दर्ज किया गया था। नीलम ने पुलिस को बताया था कि आजाद चौराहे पर स्थित उनके ग्राहक सेवा केंद्र में दोपहर के समय बाइक सवार दो युवक आए। दोनों ने पैसा निकालने के संबंध में बातचीत की। उसी दौरान एक युवक ने पीने का पानी देने के लिए कहा तो वह पड़ोस में गईं। पानी लेकर वह आईं तो उन्होंने देखा कि दोनों युवक जा चुके हैं और उनके काउंटर से 76 हजार रुपये गायब थे। एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि इंस्पेक्टर चौबेपुर जगदीश कुशवाहा ने अपनी टीम के दरोगा टुन्नू सिंह व दुर्गेश मिश्रा की टीम के साथ सीसी फुटेज और सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। तीनों युवकों को चिह्नित कर उन्हें बलुआ रोड से गिरफ्तार किया गया है। विशाल के खिलाफ पहले से जौनपुर में आर्म्स एक्ट और चोरी के आरोप में दो मुकदमे दर्ज हैं।

एक दिन में दो होटल, एक मेडिकल लेबोरेटरी, एक कामर्शियल भवन का नक्शा पास

वाराणसी। वीडीए की ओर से एक ही दिन में दो होटल, एक मेडिकल लेबोरेटरी सेंटर, एक भूमि पर कामर्शियल भवन का मानचित्र पास किया। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के अनुसार मानचित्र स्वीकृति की सरलीकृत व्यवस्था से मानचित्र निस्तारण का समय कम हो गया है। इससे लोगों को सहूलियत हो रही है। गुलशन अरोड़ा की ओर से रामापुरा में 1500 वर्गमीटर पर दो स्टार होटल का मानचित्र पेश किया गया था। इसे 10 दिन से कम समय में पास किया गया है। इस होटल में 30 कमरे, 46 पार्किंग, रेस्टोरेंट, कान्फ्रेंस हाल, मीटिंग हाल होगा। अशोक कुमार सिंह की ओर से सेहमलपुर अठगावा में होटल मोमेंट्स बजट का मानचित्र पेश किया गया। इसे आठ दिन में स्वीकृत किया गया। इसमें 48 कमरे, 29 पार्किंग, कैफेटेरिया होगी। अनिल कुमार राय के आवेदन पर अमरा खैरा में मेडिकल लेबोरिटी सेंटर का मानचित्र सात दिन में पास किया गया। मेसर्स विराट इंफ्राकान प्राइवेट लिमिटेड की ओर की ओर से हुकुलगंज शिवपुर में कामर्शियल भवन का मानचित्र पेश किया गया। इसे 10 दिन में पास किया गया। यहां पर 21 भूखंड के लिए 12 और 9 मीटर की आंतरिक सड़क होगी।

निशुल्क जलपान एव भंडारे का आयोजन

महाकुम्भ नगर। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर, भारद्वाज मंडल के द्वारा कुंभ मेला श्रद्धालु शिविर का संचालन मंडल अध्यक्ष अजय

आनंद के द्वारा किया गया इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कुंभ मेला क्षेत्र में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को निशुल्क जलपान एवं भोजन भंडारे का आयोजन आयोजन कर प्रसाद वितरण किया। राजेश केसरवानी अरुण सिंह पटेल,अंजनी सिंह, पीयूष सिंह, कृतज्ञ नारायण, राकेश भारती, कुलदीप मिश्रा उपस्थित रहे।

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार : कंचन देवी।

प्रयागराज। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा महाकुम्भ–2025 में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ – पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान

संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा महानिदेशक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग 50 वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्याः एस/सेल/611/ई-नी.का./5270/24-25 दिनांकः 13.02.2025

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या - 12 माह मार्च-2025

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे। **रद्दी मदें:** पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नान मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पैट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम केबिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्लैग, रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई.टैंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्कल वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम. एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि व दिन		डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक
1.	04.03.2025	मंगलवार	सामान्य भण्डार डिपो/झाँसी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/प्रणाली/ झाँसी।
2.	08.03.2025	शनिवार		
3.	13.03.2025	गुरूवार		
4.	20.03.2025	गुरूवार		
5.	25.03.2025	मंगलवार		
6.	29.03.2025	शनिवार		
7.	05.03.2025	बुधवार	सामान्य भण्डार डिपो/कानपुर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सामान्य भण्डार डिपो/कानपुर।
8.	12.03.2025	बुधवार		
9.	25.03.2025	मंगलवार		
10.	06.03.2025	गुरूवार	प्रयागराज मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज
11.	12.03.2025	बुधवार		
12.	20.03.2025	गुरूवार		
13.	27.03.2025	गुरूवार		
14.	05.03.2025	बुधवार	झाँसी मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/झाँसी।
15.	12.03.2025	बुधवार		
16.	19.03.2025	बुधवार		
17.	28.03.2025	शुक्रवार		
18.	06.03.2025	गुरूवार	आगरा मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/आगरा।
19.	13.03.2025	गुरूवार		
20.	20.03.2025	गुरूवार		
21.	27.03.2025	गुरूवार		

माध्यम : www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा

विशेष शर्तें : 1. सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। 2. ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेंचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। 3. इच्छुक खरीददार स्क्रैप किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। 4. यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रुपयों से अधिक है तो ऐसी स्थित में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। 5. नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अंतिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। 6. ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। 316/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

नगर निगम सदन की बैठक में पार्षद कुसुम लता गुप्ता, किरन जायसवाल, कामिनी कुशवाहा, सुनीता चोपड़ा, अनुपमा पांडेय, रोमा भारतीय को नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग महापौर गणेश केसरवानी ने पुरस्कृत किया।

बुनियादी ढांचे, जल निकासी, आध्यात्मिक और पर्यटन विकास परियोजनाओं को मिली मंजूरी

महाकुंभ नगर। नगर निगम सदन की बैठक की अध्यक्षता में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने नगर के लिए 462 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। इससे शहर के हर वार्ड में सड़कें, नालियां बनेंगी। इसके साथ ही शहर के बुनियादी ढांचे, जल निकासी व्यवस्था, आध्यात्मिक पर्यटन और निगम की आय बढ़ाने के लिए मंजूरी दी गई है। प्रयागराज में यमुना नदी पर श्रामसेतुश बनेगा। इसके साथ ही आध्यात्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय आध्यात्म विश्वविद्यालय खोलने का भी प्रस्ताव पास किया गया है। विश्वविद्यालय बनाने का प्रस्ताव निगम की ओर से राज्य सरकार को भेजा जाएगा। खास बात यह है कि सदन की बैठक पहली बार नगर निगम से कहीं बाहर महाकुंभ क्षेत्र में

की गई। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि, हम भविष्य का प्रयागराज बनाने जा रहे हैं। आने वाले 50 सालों की सोच को लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2025–26 के लिए 462 करोड़ की परियोजनाएं शहर को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शासन से जो राशि मिली थी उसमें से बची हुई राशि से शहर की गलियों का विकास करेंगे। इसके लिए शासन से अनुमति ली जाएगी। इससे पहले सदन की बैठक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देने के साथ शुरू हुई। महापौर ने कहा कि, इतनी भीड़, इतने लोग इस धरा पर नहीं देखे। 13 जनवरी से प्रारंभ महापर्व आने वाले बदलाव का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देश और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सारे काम हुए हैं। सदन में पारित हुए प्रमुख प्रस्तावों में शहरी बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं को मंजूरी दी गई। नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सड़क और नाली निर्माण के लिए ध्20 करोड़ का प्रावधान किया गया, वहीं सीमा विस्तार क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार हेतु ध्28 करोड़ की मंजूरी दी गई। वर्षा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ध्10 करोड़ का नाला निर्माण प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त, स्टॉर्म वॉटरध्अर्डन वॉटर योजना के तहत जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ड्रेनेज मास्टर प्लान पर ध्10 करोड़ तथा विभिन्न क्षेत्रों में जल निकासी की सुविधा के लिए ध्100 करोड़ की योजना पारित की गई। सी.एम. ग्रिड योजना के अंतर्गत शहर के यातायात और सार्वजनिक सुविधाओं के सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सड़क और पार्किंग सुविधाओं को उन्नत करने के लिए ध्100 करोड़ और नगर निगम क्षेत्र में भवन, पार्क एवं अन्य सार्वजनिक संरचनाओं के निर्माण हेतु ध्100 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया। निगम 10 करोड़ की लागत से साहित्य पार्क का निर्माण कराएगा। इसके अलावा, 15वें वित्त आयोग से प्राप्त निधि का उपयोग शहर की स्वच्छता व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा, जिसमें ध्27 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। साथ ही, नगर क्षेत्र में सड़क, नाली निर्माण और अन्य आधारभूत विकास कार्यों के लिए ध्42 करोड़ का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद सभी पार्षदगणों और नगर आयुक्त को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। ध्ार्मिक पर्यटन को और अधिक सुलभ व समृद्ध बनाने के लिए 'रामसेतु' पैदल पुल के निर्माण का प्रस्ताव भी ध्वनिमत से पारित किया गया। ये पैदलपुल अरैल तट को यमुना बैंक रोड तट (बोड क्लब) से जोड़ेगा।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों के मार्ग परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नलिखित हैः-

दिनांक 18.02.2025 को प्रयागराज जं. पहुंचने वाली रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आगमन	प्रस्थान	प्रयागराज जं. / प्रयागराज छिवकी पर दिन	निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग वाया	परिवर्तित मार्ग के स्टेशनों पर ठहराव	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
11061	लोकमान्य तिलक टर्मि. - जयनगर	09:35	10:00	दैनिक	सतना जं.-मानिकपुर जं.- प्रयागराज जं.- प्रयागराज रामबाग-बनारस	सतना जं.-ओहन खैरार जं.-कानपुर सेन्ट्रल-उन्नाव जं.	चित्रकूट धाम कर्वी-बांदा-कानपुर सेन्ट्रल	17.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मि.	03:00	03:20	दैनिक	बनारस-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-सतना जं.	उन्नाव-कानपुर सेन्ट्रल-खैरार जं.-ओहन-सतना जं.	कानपुर सेन्ट्रल-बांदा-चित्रकूट धाम कर्वी	17.02.25
11055	लोकमान्य तिलक टर्मि -गोरखपुर	08:10	08:35	मंगल	सतना जं.-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- प्रयाग - जफराबाद जं.	सतना जं.-ओहन-खैरार जं.-कानपुर सेन्ट्रल-उन्नाव जं.	चित्रकूट धाम कर्वी-बांदा-कानपुर सेन्ट्रल	17.02.25
15160	दुर्ग- छपरा	12:10	12:35	दैनिक	सतना जं.-मानिकपुर-प्रयागराज जं.- प्रयाग - बनारस	कटनी मुड़वारा - सागर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-उन्नाव	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल	17.02.25

दिनांक 18.02.2025 को प्रयागराज छिवकी पहुंचने वाली रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आगमन	प्रस्थान	प्रयागराज जं. / प्रयागराज छिवकी पर दिन	निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग वाया	परिवर्तित मार्ग के स्टेशनों पर ठहराव	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19489	अहमदाबाद-गोरखपुर	08:45	08:47	सोम	सतना जं.-मानिकपुर जं.-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-बनारस	सतना जं.-ओहन खैरार जं.-कानपुर सेन्ट्रल-उन्नाव जं.	चित्रकूट धाम कर्वी-बांदा-कानपुर सेन्ट्रल	17.02.25
19490	गोरखपुर-अहमदाबाद	05:30	05:35	मंगल	बनारस-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-सतना जं.	उन्नाव जं.-कानपुर सेन्ट्रल-खैरार जं.-ओहन-सतना जं.	कानपुर सेन्ट्रल-बांदा-चित्रकूट धाम कर्वी	17.02.25
12167	लोकमान्य तिलक टर्मि-बनारस	21:10	21:15	दैनिक	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-बनारस	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-उन्नाव जं.	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल	17.02.25
22178	बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	13:00	13:05	दैनिक	बनारस-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर जं.-इटारसी	उन्नाव-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	17.02.25
15231	बरौनी-गोंदिया	01:25	01:30	दैनिक	बनारस-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-सतना जं.	उन्नाव जं.-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - सागर-कटनी मुड़वारा	कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	17.02.25

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 324/25(DG)

भारत भूमि समरसता की सहिष्णुता की भूमि है

महाकुंभ नगर। देश की आजादी के बाद कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर आज भी हमारी संस्कृति पर हमले हो रहे हैं हमें अपने देश की संस्कृति को बचाना है। भारत भूमि समरसता की सहिष्णुता की भूमि है और प्रयाग के इस महाकुंभ ने इसकी सजीवता को

प्रदर्शित किया। शहर ने अपने से दोगुनी की आबादी को अपने में लगभग हर समय सहेजा और मां गंगा सहित त्रिवेणी संगम में 60 करोड़ लोगों ने स्नान किया। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्था आगे आ रही है जो सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रही हैं, और भारत के इन विचारों को विश्व तक फैला रही हैं। भारत की सनातन संस्कृति, सिर्फ स्वयं के कल्याण के लिए नहीं है बल्कि पूरे विश्व के कल्याण के लिए है। उक्त विचार महापौर गणेश केसरवानी के हैं जो उन्होंने महाकुंभ मेले सेक्टर 7 में स्थित ब्रह्माकुमारी स्वर्णिम भारत ज्ञान कुम्भ मेले में हमारी संस्कृति हमारी पहचान विषय पर आयोजित समापन समारोह के दौरान कही। स्वर्णिम भारत ज्ञान कुंभ की संचालिका ब्रह्माकुमारी मनोरमा दीदी ने कहा मेला प्रशासन ने हम सभी की बहुत मदद की, आपकी सेवाएं काबिले तारीफ है। सिविल डिफेंस के भाई बहनों की भी उन्होंने तारीफ की। दीदी ने कहा हमारी भारतीय संस्कृति है सम्मान देने की, गिरते हुए को उठाने की सच पूछो तो यही हमारी पहचान है। प्राचीन काल से ही हमारे संगठन की जो परंपराएं थी हम सभी उसी का निर्वहन करने को अपना धर्म मानते हैं और आज समाज में भी उन संस्कारों को पुनर्जागृत करने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ जोन की इंचार्ज ब्रह्माकुमारी हेमलता ने कहा इस कुंभ से भारतीय संस्कृति के एक नए अध्याय का सूत्रपात हो रहा है। हमने भौतिक विकास तो बहुत किया परंतु जो हमारी आध्यात्मिक संस्कृति रही है अब उसका प्रभाव सारे विश्व पर बहुत तीव्र गति से फैलेगा। ब्रह्माकुमारीज माउंट आबू के ग्लोबल हॉस्पिटल की ब्रह्माकुमारी डॉक्टर बिन्नी सरीन ने कहां की कुंभ की वातावरण में अध्यात्म का विशेष अनुभव उन्होंने किया। सिविल डिफेंस वार्डन चीफ अनिल कुमार ने कहा कि मां गंगा की पावन भूमि पर ब्रह्माकुमारी संस्था के द्वारा यह जो ज्ञान कुंभ मंडप लगाया गया है वह निश्चित रूप से सराहनीय है। चौतन्य देवियों की झांकी अद्वितिय रही तथा लाइव मॉडलों के द्वारा जो शिक्षाएं लोगों को दी गई, यह जरूर उनके मानस पटल पर लंबे समय तक बनी रहेंगी। इस अवसर पर जन कवि प्रकाश ने अपनी रचनाएं सुनाकर सभी को प्रयागराज के साहित्य का परिचय कराया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062